पत्र संख्या–6A BASU (1)18/2025 – 334 /

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

प्रेषक,

स्मिता सिन्हा,
सरकार के अपर सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार, (ले० एवं हक०) बिहार
वीरचन्द्र पटेल पथ, पटना।

पटना–15, दिनांक–21/01/2026.

XX अनौपचारिक रूप से परामर्शित।

XX

द्वारा :– **आन्तरिक वित्तीय सलाहकार।**

विषय :– **बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना अंतर्गत स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय के तहत बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना में पॉल्ट्री उत्पादन (Poultry Production) में B.Sc डिग्री प्रोग्राम शुरू करने हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 से वर्ष 2029–30 तक के लिए अनुमानित राशि 3,69,07,000/–(तीन करोड़ उनहत्तर लाख सात हजार) मात्र की लागत व्यय पर योजना की स्वीकृति।**

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में राज्य सरकार ने सम्यक विचारोपरान्त बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना अंतर्गत स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय के तहत बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना में पॉल्ट्री उत्पादन (Poultry Production) में B.Sc डिग्री प्रोग्राम शुरू करने हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 से वर्ष 2029–30 तक के लिए अनुमानित राशि 3,69,07,000/–(तीन करोड़ उनहत्तर लाख सात हजार) मात्र की लागत व्यय पर योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना का विस्तृत व्यय विवरणी–क संलग्न।

2. बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है जिसमें 70 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि एवं उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर है, जिसमें पशुपालन प्रक्षेत्र राज्य के अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बिहार में पशुधन क्षेत्र आधुनिकीकरण और विकास के पथ पर अग्रसर है, और ग्रामीण समुदायों की आजीविका में सुधार के लिए सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है।

3. बिहार सरकार के कृषि रोड मैप 2023–28 में राज्य में कृषि और पशुधन उत्पादकता बढ़ाने के साथ–साथ प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है।

4. बिहार में पिछले कुछ वर्ष पहले तक मुर्गी पालन काफी हद तक एक पारंपरिक व्यवसाय बना हुआ था, हालांकि राज्य मुर्गी पालन के लिए कच्चे माल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। राज्य में मुर्गी पालन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिससे अण्डे का उत्पादन 5.8 अरब होने का अनुमान है, जो भारत के कुल अण्डे उत्पादन का लगभग 4.06 प्रतिशत है।

5. मुर्गी पालन उद्योग, कृषि के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है, जो खाद्य सुरक्षा रोजगार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। मुर्गी पालन उत्पादन में B.Sc डिग्री कार्यक्रम इस क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की बढ़ती माँग के जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगा। तेजी से विकास के बावजूद पॉल्ट्री उद्योग प्रशिक्षित पॉल्ट्री पेशेवरों और फार्म प्रबंधकों के कमी का सामना कर रहा है। पॉल्ट्री उत्पादन में समर्पित B.Sc कार्यक्रम पॉल्ट्री पोषण, प्रजनन, स्वास्थ्य प्रबंधन और समग्र पॉल्ट्री फार्म प्रबंधन में कुशल स्नातक तैयार करेगा।

6. उद्योग, अनुसंधान संस्थान और सरकारी एजेन्सियां नवाचार तथा टिकाऊ उत्पादन के योग्य पेशेवरों की तलाश कर रही है। पॉल्ट्री फार्मिंग आधुनिक तकनीक के साथ विकसित हो रही है, जिसमें सटीक आहार, रोग निदान और स्वचालन शामिल है। एक संरचित डिग्री कार्यक्रम छात्रों को वैज्ञानिक ज्ञान और व्यवहारिक अनुभव सें लैस करेगा, जिससे वे कुशल, रोग प्रतिरोधी और टिकाऊ पॉल्ट्री फार्मिंग पद्धतियों को लागू कर सकेंगे। स्नातकों को पॉल्ट्री फार्म प्रबंधन, फिड निर्माण, हैचरी संचालन और मूल्यवर्धित उत्पाद विकास में प्रशिक्षित किया जायेगा, जिससे कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। कुशल पेशेवर उत्पादकता एवं स्थिरता में सुधार करने में मदद कर सकते है, जिससे पॉल्ट्री उत्पादों की सस्ती और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

7. **योजना का उद्देश्यः—**

(क) बिहार राज्य में मुर्गी पालन क्षेत्र के लिए कुशल पेशेवरों का उत्पादन करने के उद्देश्य से मुर्गी पालन में व्यापक शिक्षा प्रदान करना।

(ख) मुर्गी पालन में स्वरोजगार और व्यवसायिक अवसरों के लिए उद्यमिता कौशल विकसित करना।

(ग) उत्पादकता और स्थिरता में सुधार के लिए मुर्गी पालन उत्पादन में अनुसंधान और नवाचार को बढावा देना।

(घ) राज्य में पोषण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए मुर्गी के अण्डे और मांस के उत्पादन को बढ़ाना।

8. योजना कार्यान्वयन हेतु प्रस्तावित राशि की वित्तीय वर्षवार (वर्ष 2025–26 से 2029–30) निकासी निदेशक, पशुपालन, बिहार के द्वारा सचिवालय कोषागार, विकास भवन, पटना से की जायेगी एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के पी०एल० खाता (संख्या–PBBPLA032) में अंतरित किया जायेगा ।

9. प्रस्तावित योजना के तहत होने वाले व्यय की राशि का विकलन बजट शीर्ष –

(क) मुख्य शीर्ष 2415–कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा, उपमुख्य शीर्ष 03–पशुपालन, लघु शीर्ष 277–शिक्षा, मांग संख्या–02, उप शीर्ष 0001–बिहार पशु एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, विपत्र कोड–02–2415032770001 से किया जायेगा।

(ख) प्रस्तावित योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में होने वाले व्यय 58.11 लाख मात्र की राशि का उपबंध द्वितीय अनुपूरक आगणन के माध्यम से किया गया है।

10. इस योजना के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी, निदेशक, पशुपालन, बिहार, पटना होंगे।

11. दिनांक–17.12.2025 को संपन्न विभागीय स्थायी वित्त समिति कि बैठक में योजना कि स्वीकृति हेतु अनुशंसा प्राप्त है। संचिका संख्या–6A BASU(1)18/2025 के पृष्ठ 73–72/प०.

12. चूँकि यह स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय के अन्तर्गत नई स्कीम है तथा योजना का कुल लागत मूल्य लगभग 3.69 करोड़ है, जो कि 5 करोड़ से कम है। इसलिए वित्त विभागीय संकल्प–12888/वि०, दिनांक–03.12.2024 के सन्निहित प्रावधान एवं योजना लागत मूल्य के अनुसार प्रत्यायोजित वित्तीय शक्ति के आलोक में अपर मुख्य सचिव/सचिव का अनुमोदन प्राप्त है। संचिका संख्या–6A BASU(1)18/2025 के पृष्ठ–24/टि० एवं दिनांक–23.12.2025.

13. वित्त विभागीय पत्रांक–2890, दिनांक–20.03.2023 में निहित प्रावधान के आलोक में माननीय विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है। संचिका संख्या–6A BASU(1)18/2025 के पृष्ठ–24/टि० एवं दिनांक–15.01.2026.

14. राज्यादेश प्रारूप में आंतरिक वित्तीय सलाहकार की सहमति प्राप्त है। संचिका संख्या–6A BASU(1)18/2025 के पृष्ठ–23/टि० तथा डायरी संख्या–671. दिनांक–23.12.2025.

15. पूर्व के वित्तीय वर्षों में स्वीकृत योजना के आलोक में विश्वविद्यालय को आवंटित राशि का उपयोगिता प्रमाण–पत्र निदेशक, पशुपालन, विश्वविद्यालय से प्राप्त कर ही इस वित्तीय वर्ष में राशि आवंटित किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

16. राशि की निकासी एवं व्यय समय–समय पर वित्त विभाग द्वारा निर्गत अनुदेशों के आलोक में किया जायेगा। साथ ही 18 माह पूर्व निर्गत स्वीकृति आदेश से संबंधित उपयोगिता प्रमाण–पत्र का समायोजन महालेखाकार, बिहार से अगले एक माह के अन्दर करा लिया जाय।

विश्वासभाजन,

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18/2025–334 /पटना–15, दिनांकः–21/01/2026.

प्रतिलिपि :–अनुलग्नक सहित वित्त विभाग (योजना शाखा/बजट शाखा)/योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना/मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार, पटना/आंतरिक वित्तीय सलाहकार, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18/2025–334 /पटना–15, दिनांकः–21/01/2026.

प्रतिलिपि :– अनुलग्नक सहित कोषागार पदाधिकारी, सचिवालय कोषागार, विकास भवन, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18/2025–334 /पटना–15, दिनांकः–21/01/2026.

प्रतिलिपि :– अनुलग्नक सहित कुलपति, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना/निदेशक, पशुपालन, बिहार, पटना/जिला पदाधिकारी, पटना/प्रमंडलीय आयुक्त, पटना/प्रधान सचिव/सचिव, भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18/2025–334 /पटना–15, दिनांकः–21/01/2026.

प्रतिलिपि :– अनुलग्नक सहित पशुपालन निदेशालय के लेखा शाखा/बजट शाखा/योजना शाखा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18 / 2025– 334 / पटना–15, दिनांकः– 21 / 01 / 2026.

प्रतिलिपि :– अनुलग्नक सहित विभाग के सभी पदाधिकारी / प्रशाखा पदाधिकारी / सहायक निदेशक, पशुपालन, सूचना प्रसार, बिहार, पटना / महालेखाकार, लेखा परीक्षा कार्यालय, महालेखाकार, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18 / 2025– 334 / पटना–15, दिनांकः– 21 / 01 / 2026.

प्रतिलिपि :– अनुलग्नक सहित माननीय विभागीय मंत्री के आप्त सचिव / माननीय वित्त मंत्री के आप्त सचिव, वित्त विभाग / विभागीय अपर मुख्य सचिव / सचिव के आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांकः–6A BASU(1)18 / 2025– 334 / पटना–15, दिनांकः– 21 / 01 / 2026.

प्रतिलिपि :– अनुलग्नक सहित विभागीय आई०टी० मैनेजर को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/01/2026

सरकार के अपर सचिव

व्यय विवरणी–क

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना अंतर्गत स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय के तहत बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना में पॉल्ट्री उत्पादन (Poultry Production) में B.Sc डिग्री प्रोग्राम शुरू करने हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 से वर्ष 2029–30 तक के लिए अनुमानित राशि 3,69,07,000/–(तीन करोड़ उनहत्तर लाख सात हजार) मात्र की लागत व्यय पर होने वाले संभावित व्यय विवरणी:–

विपत्र कोड 02–2415032770001				
वित्तीय वर्ष	स्वीकृति हेतु राशि (लाख में)	विषय शीर्ष	निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी का पदनाम	कोषागार का नाम
2025–26	58.11	0001.31.06 –सहायक अनुदान– गैर–वेतन	अपर मुख्य सचिव, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्राधिकृत निदेशक, पशुपालन, बिहार, पटना।	सचिवालय कोषागार, विकास भवन, बिहार, पटना।
2026–27	80.37			
2027–28	98.41			
2028–29	61.75			
2029–30	70.43			
कुल योग	369.07			
कुल – (तीन करोड़ उनहत्तर लाख सात हजार) मात्र।				

16/01/2026

सरकार अपर सचिव